



**ONGC News as on 26 June 2024 (Print)**

▶ पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस

# विकास का ईंधन

पुरी की वापसी स्वागतयोग्य निरंतरता है. उनके लिए तेल उत्पादन और हरित ईंधन की चुनौती है

एम.जी. अरुण

**पे**ट्रोलियम मंत्रालय में हरदीप पुरी की वापसी के साथ ही इस क्षेत्र में नीतिगत कदम जारी रहने की उम्मीद है. मंत्री पहले ही कह चुके हैं कि तेल और गैस का घरेलू उत्पादन बढ़ाना, हरित हाइड्रोजन को प्रोत्साहन और एथेनॉल के इस्तेमाल को बढ़ावा देना उनकी सरकार की अहम प्राथमिकता होगी. उन्होंने लगे हाथ यह बात भी साफ कर दी कि बीपीसीएल जैसी मुनाफे वाली सरकारी तेल कंपनियों का विनिवेश नहीं किया जाएगा. इस तरह संकेत दे दिया कि मोदी सरकार अपने तीसरे कार्यकाल की शुरुआत में ही किसी भी तरह के विवाद से एकदम दूर रहना चाहेगी. उन्होंने यह संकेत भी दिया कि ईंधन को जीएसटी के दायरे में लाया जाएगा. हालांकि यह दूर की कौड़ी लगती है और अगर अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें बहुत तेजी से गिरती हैं तो ईंधन की दाम भी घटाए जाएंगे. ■

▶ क्या किया जाना चाहिए

**तेल उत्पादन बढ़ाना** भारत के तेल और गैस अन्वेषण और उत्पादन में निजी भागीदारी को कर रियायत के जरिए प्रोत्साहन देना. केंद्र को अनुपालन बोझ घटाने, प्रक्रिया आसान करने और ईंज ऑफ

इंज बिजनेस में सुधार की जरूरत है जिससे कि इस क्षेत्र में अधिक निवेश आ सके

**हरित ईंधन को प्रोत्साहन**

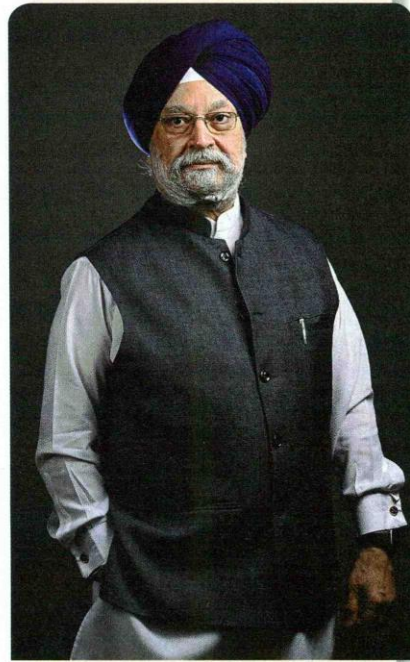
इस साल के शुरु में तेल दिग्गज ओएनजीसी को अपने हरित ऊर्जा और गैस कारोबार के लिए सहायक कंपनी बनाने की मंत्रालय से मंजूरी मिली थी. यह वैश्विक नजरिये के लिहाज से महत्वपूर्ण है जहां हरित ऊर्जा पर काफी ज्यादा जोर दिया जा रहा है. साथ ही देश में स्वच्छ पर्यावरण सुनिश्चित करने के लिए भी क्योंकि भारत में वाहनों की संख्या बहुत तेज रफ्तार से बढ़ रही है

**ईंधन के दाम घटाना**

ऊंची कीमतों, खासकर खाद्यान्न, को लेकर देश भर में मतदाताओं के विभिन्न तबकों ने ऐसे मसले के तौर पर उभारा है जिस पर सरकार को तुरंत ध्यान देने की जरूरत है. एक हद तक सरकार जो कर सकती है वह है ईंधन के दाम घटाने की संभावना, खास तौर पर इसलिए कि अगर अंतरराष्ट्रीय बाजार में इनकी कीमतें गिरी हुई हैं. इससे उपभोक्ताओं को ऊंची ईंधन कीमतों से तुरंत राहत मिलेगी क्योंकि ईंधन के ऊंचे मूल्य से सामान के दाम पर असर पड़ता है

हरदीप सिंह पुरी, 72 वर्ष | भाजपा  
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री

▶ **अनुभव बोलता है** भारतीय विदेश सेवा के पूर्व अधिकारी आईएफएस पुरी ने जुलाई 2021 में तेल मंत्रालय का उस समय कार्यभार संभाला था जब देश महामारी की जकड़ में था. उनको वैश्विक ऊर्जा के बढ़े हुए संकट के कारण तेल की मांग में भारी उछाल के बीच इस क्षेत्र को ठीक से निकाल लेने का श्रेय दिया जाता है जबकि उस समय कोविड के बाद सभी देशों की अर्थव्यवस्थाएं पटरी पर लौट रही थीं. देश ने यूक्रेन हमले के बाद रूस से सस्ते तेल के लिए भी सौदेबाजी की और किसी भी तरह के अंतरराष्ट्रीय दबाव के आगे नहीं झुका



वेददीप कुमार

राज्यमंत्री

सुरेश गोपी, 65 वर्ष | भाजपा

त्रिशुर, केरल से सांसद, गोपी पर्यटन के भी राज्यमंत्री हैं

## India Inc's CSR Spends on Sports Likely to Surge in Next Few Years

Listed cos' estimated FY23 CSR expenditure on sports pegged at around ₹280 crore; RIL, Tata Steel, IOCL, ONGC leading spenders on category

**Kiran.Somvanshi**  
@timesofindia.com

**ET Intelligence Group:** As the Indian contingent is gearing up for participating in the 2024 Olympics in Paris next month, companies that have been supporting the athletes would be keenly following their performances.

The foundations of several companies, such as the Reliance Group, Tata Steel, JSW, Hindustan Zinc and SKF India, have been supporting sports as part of their corporate social responsibility (CSR) commitments. However, the data on whether there has been an increase in the CSR spend on sports and by which companies is not available. This is due to an MCA notification in September 2022 that no longer requires companies to disclose

details of their CSR spends but only the total spends towards CSR.

As per data sourced from Prime Database, between FY19 and FY22 listed Indian companies altogether spent an average of ₹248 crore annually towards sports. This amounts to an average of 1.8% of their total CSR spends. Companies such as Reliance Industries, Tata Steel, IOCL, ONGC and Hindustan Zinc, have been the leading consistent spenders in championing sports in India. Reliance Industries has been the top CSR spender on sports — spending on average ₹41.6 crore annually between FY19 and FY22. Incidentally the total CSR amount spent by companies in FY23 stood at ₹15,600 crore, as per Prime Database. Applying the average of 1.8% of that amount, CSR spend on sports could be estimated to be about ₹280 crore in FY23.

### STEADY CLIMB LIKELY?

According to industry experts, the CSR expenditure on sports has not increased disproportionately higher, but it is likely to increase steadily over the years.

"Earlier the companies used to consider spending on sports with a view of how they can get promo-

tional value, but now there is an increase in understanding of the category, the needs on the ground", said sports industry veteran Joy Bhattacharjya. "However, they find it tough to directly undertake initiatives since it is not just about spending but having a long-term vision and expertise

about the kind of difference one must make. So, companies now tend to engage specialist organizations already in the space such as GoSports Foundation and Olympic Gold Quest to undertake the initiatives. These agencies either offer them options for best using their funds

or carve out targeted projects for these companies to support. Companies have different needs and objectives, some might want their funds to build capacity in Olympic sports, while some others may be aiming to support more general objectives like providing facilities for underprivileged children".

According to him, the companies are not spending disproportionately more on sports than what they were spending earlier. "However, as India gears up to bid for hosting the 2036 Olympics, we should definitely see an increase in CSR spends on sports", he said. Based on voluntary disclosures of their detailed CSR spends, 135 companies of the top 1,000 listed companies have disclosed in FY23 their detailed CSR spends — which in case of sports, stood at ₹91 crore altogether.

### Corporate India's CSR Spends on Sports

FY	No. of cos for which CSR is applicable	Final Actual Amt Spent (₹ cr)	No. of cos which spent on sports	Total Amount Spent on sports (₹ cr)
2018-19	1,096	11,883	251	236
2019-20	1,161	14,797	274	278
2020-21	1,192	14,825	227	236
2021-22	1,265	14,862	254	240
2022-23	1,382	15,602	135*	91*

\*Based on Voluntary Disclosures. Source: primeinfobase.com



## Day trading guide

### 23735 » Nifty 50 Futures

S1	S2	R1	R2	COMMENT
23700	23630	23800	23875	Go long now and at 23710. Stop-loss can be kept at 23680

### ₹1711 » HDFC Bank

S1	S2	R1	R2	COMMENT
1685	1660	1720	1745	Go long only above 1720. Keep the stop-loss at 1710

### ₹1541 » Infosys

S1	S2	R1	R2	COMMENT
1530	1520	1560	1575	Go long now and at 1535. Keep the stop-loss at 1525

### ₹423 » ITC

S1	S2	R1	R2	COMMENT
421	418	424	426	Wait for a rise. Go short at 425. Keep the stop-loss at 427

### ₹267 » ONGC

S1	S2	R1	R2	COMMENT
265	263	271	275	Wait for a rise. Go short at 270 with a stop-loss at 272

### ₹2908 » Reliance Ind.

S1	S2	R1	R2	COMMENT
2900	2875	2920	2970	Go long only above 2920. Keep the stop-loss at 2910

### ₹842 » SBI

S1	S2	R1	R2	COMMENT
838	834	846	852	Go long only above 846. Stop-loss can be placed at 844

### ₹3839 » TCS

S1	S2	R1	R2	COMMENT
3830	3790	3880	3920	Take long positions now and at 3835 with a stop-loss at 3820

S1, S2: Support 1 & 2; R1, R2: Resistance 1 & 2.

## कच्चे तेल की कीमतें 85 से 100 डॉलर के दायरे में रहने के आसार

राजेश भयानी  
मुंबई, 25 जून

भूराजनीतिक परिदृश्य में बदलाव से कच्चे तेल की कीमतें फिर से चढ़ सकती हैं। कच्चे तेल की कीमतें जून के पहले सप्ताह से करीब 10 प्रतिशत तक चढ़ कर इस समय करीब 85 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गई हैं। एसऍंडपी ग्लोबल कम्पोजिटी इनसाइट में कूड एंड फ्यूल ऑयल मार्केट्स के वैश्विक निदेशक जोएल हैनली ने बिजनेस स्टैंडर्ड को बताया, लगातार भू-राजनीतिक हस्तक्षेप के कारण 'हमारे विश्लेषकों का अनुमान है कि कच्चे तेल की कीमतें आगामी महीनों में 85 से 100 डॉलर के दायरे में रह सकती हैं।'

हालांकि ओपेक देशों के पास पर्याप्त तेल है जिससे किसी बड़ी कीमत वृद्धि की आशंका सीमित हो सकती है। हैनली ने कहा कि ओपेक देश ज्यादा तेल की आपूर्ति कर सकते हैं और कीमत पर सीमा के तौर पर काम कर सकते हैं।

इस समय रूसी तेल भारत में पसंदीदा विकल्प (रूस की प्रतिस्पर्धी कीमतों की वजह से) है। पांच साल पहले रूस का भारत के कुल कच्चे तेल आयात में सिर्फ 5 प्रतिशत योगदान था लेकिन यह आंकड़ा अब बढ़कर 41 प्रतिशत हो गया है। यूक्रेन के साथ युद्ध की वजह से रूस पर पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों के बाद रूस ने कम कीमतों पर भारत को कच्चे तेल की आपूर्ति की पेशकश की है। उन्होंने कहा कि भारत अब कच्चे तेल के बाजार के वैश्विक नक्शे पर जगह बना चुका है। भारत एक बड़ा आयातक रहा है लेकिन अब वह यूरोप और अन्य देशों के लिए रिफाईंड उत्पादों का मुख्य आपूर्तिकर्ता भी है। साथ ही वह अपनी स्वयं की बढ़ती आबादी की जरूरत पूरी कर रहा है। हैनली का कहना है कि बड़ी



**पांच साल पहले रूस का भारत के कुल कच्चे तेल आयात में सिर्फ 5 प्रतिशत हिस्सा था, लेकिन यह अब बढ़कर 41 प्रतिशत हो गया है**

रिफाइनरियों के निर्माण से भारत को ऊर्जा क्षेत्र में जगह बनाने में मदद मिली है।

हैनली ने कहा, 'इस समय भारत को रूस से रियायती दाम पर तेल मिलने से कारोबार में बड़ी मदद मिली है। भारत अब सुरक्षा और किफायत का स्तर बढ़ाने के लिए मौजूदा बदलावों का लाभ उठाने के लिए अच्छी स्थिति में है।'

इससे पहले एसऍंडपी ग्लोबल कम्पोजिटी इनसाइट्स में एशिया थर्मल कुल के मैनेजिंग प्राइसिंग एडिटर प्रीतीश राज ने एक मीडिया राउंड टेबल में कहा, 'भारत जैसे कीमत-संवेदी बाजार के लिए कोयला आयात भी गैर-प्रतिस्पर्धी नहीं होगा क्योंकि भविष्य में हम प्रशांत और अटलांटिक बेसिन, दोनों से वैश्विक बाजार में ज्यादा आपूर्ति देखेंगे जिसका समुद्री मार्ग से यात्रा

की कीमतों पर असर पड़ेगा और यह कई एशियाई देशों के लिए व्यवहार्य हो जाएगा।'

भारत में कोयले की मांग वर्ष 2030 तक 1.5 अरब टन पहुंचने का अनुमान है जिसे आयात की मदद से आसानी से पूरा किया जा सकता है। लेकिन राज का कहना है, 'घरेलू कोयला गुणवत्ता मुख्य चुनौती है और परिवहन की समस्या बनी हुई है।' उनका मानना है कि भारत का घरेलू उत्पादन वर्ष 2030 तक आसानी से 1.5-1.7 अरब टन तक पहुंच जाएगा और आयात अगले 5-6 साल में 15 करोड़ टन पर बना रह सकता है।

हालांकि यदि घरेलू कोयले की गुणवत्ता सुधरती है और परिवहन समस्या भी दूर होती है तो भारत के विद्युत क्षेत्र का आयात भी घटकर 10 करोड़ टन पर आ सकता है। राज को ताप कोयला कीमतें अल्पावधि में सीमित दायरे में रहने का अनुमान है।

Publication : Deshbandhu (Hindi)	Editions : New Delhi
Date :26 June 2024	Page : 11

पेट्रोल और  
डीजल की  
कीमतें  
अपरिवर्तित

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी जारी रहने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम अपरिवर्तित रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपए प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपए प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपए प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपए प्रति लीटर पर रहा।





Publication : Mint

Editions : New Delhi

Date :26 June 2024

Page : 2

### **India, China top buyers of Russian fuel oil in May, LSEG data shows**

**Moscow:** India and China were the top destinations for Russian seaborne fuel oil and vacuum gasoil (VGO) exports in May, as per traders and LSEG data. Russian fuel oil and VGO seaborne exports last month rose 12% from April to about 4 million metric tonnes, helped by completion of seasonal maintenance. China and India import straight-run fuel oil and VGO for refining, partially replacing more expensive Urals barrels, traders said. **REUTERS**